

सकुराजमि ज्वालामुखी: जापान

प्रलिम्स के लिये:

ज्वालामुखी और प्रकार ।

मेन्स के लिये:

ज्वालामुखी और इसके प्रभाव, पर्यावरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जापान के प्रमुख पश्चिमी द्वीप क्यूशू में सकुराजमि ज्वालामुखी में वसिफोट देखा गया ।

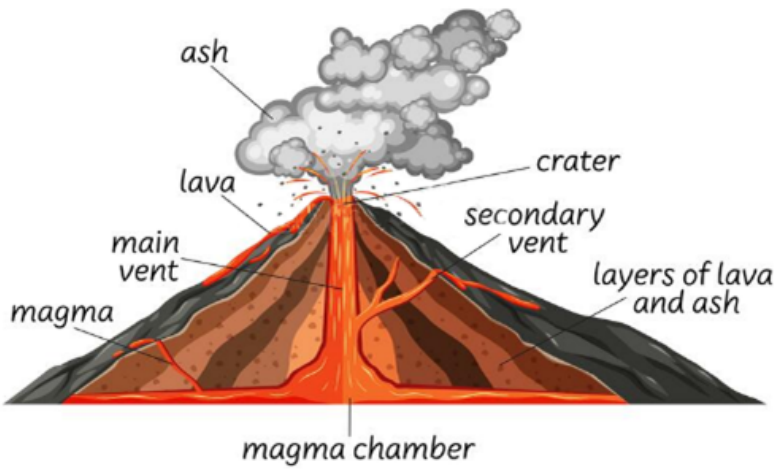
- वर्ष 2021 में [फुकुतोक्-ओकानोबा सबमरीन ज्वालामुखी](#) में जापान से दूर प्रशांत महासागर में वसिफोट हुआ था ।

सकुराजमि ज्वालामुखी

- सकुराजमि जापान के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है और इसमें विभिन्न स्तरों के वसिफोट नियमति आधार पर होते रहते हैं ।
- यह एक सक्रिय स्ट्रैटो वोलकानो है ।
- ऐतहासिक रूप से सकुराजमि में सबसे बड़े वसिफोट वर्ष 1471-76 के दौरान और 1914 में हुए थे ।
- इसमें वसिफोट 8वीं शताब्दी से दर्ज किया गया है ।
- कागोशमि पर इसकी राख के लगातार जमा होने और इसकी वसिफोटक क्षमता के कारण इसे बहुत ही खतरनाक ज्वालामुखियों में से एक माना जाता है ।

ज्वालामुखी:

Parts of a Volcano



//

परचिय:

- ज्वालामुखी पृथ्वी की सतह में एक उद्घाटन या टूटन है जिसमें मैग्मा के रूप में गरम तरल और अर्द्ध-तरल चट्टानों, ज्वालामुखीय राख और

गैसों बाहर निकलती है।

- शेष सामग्री ज्वालामुखी वसिफोट का कारण बनती है। इसके कारण तीव्र वसिफोट हो सकता है जिससे अत्यधिक मात्रा में पदार्थों का नषिकासन होता है।
- वसिफोटति सामग्री पृथ्वी पर तरल पदार्थ("लावा" जब यह सतह पर हो, "मैग्मा" जब यह भूमगित हो), राख और/या गैस हो सकती है।

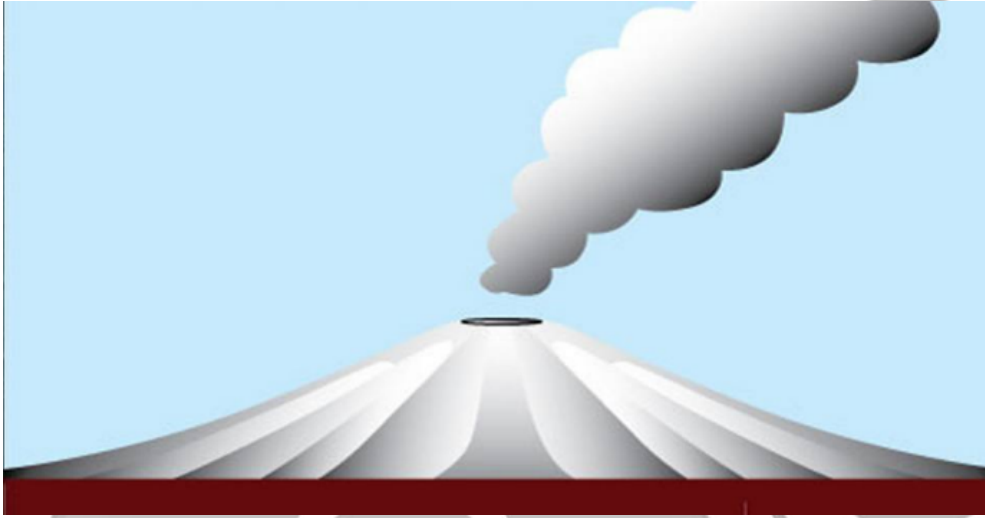
■ मैग्मा में वृद्धि का कारण:

- मैग्मा का नषिकासन तब होता है जब पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेट अभिसारी गत करतते हैं। मैग्मा खाली स्थान को भरने के लयि ऊपर उठता है। जब ऐसा होता है तो जल के भीतर भी ज्वालामुखी नरिमाण की प्रकरयि हो सकती है।
- जब ये टेक्टोनिक प्लेट एक-दूसरे की ओर बढ़ते हैं तो मैग्मा भी ऊपर उठता है और प्लेट के हसिसे इसके आंतरक भाग में गहराई में चले जाते हैं तो उच्च ताप और दबाव के कारण परपटी पधिल जाती है तथा मैग्मा के रूप में ऊपर उठ जाती है।
- मैग्मा अंतमि रूप से **हॉट-स्पॉट** से ऊपर उठता है। हॉट-स्पॉट पृथ्वी के अंदर के गर्म कषेत्र हैं। ये कषेत्र मैग्मा को गर्म करतते हैं। जब यह मैग्मा कम घना होता है तो ऊपर उठता है। हालाँकि मैग्मा के ऊपर उठने के कारण भन्नि-भन्नि हैं, फरि भी इनमें प्रतयेक में ज्वालामुखी के नरिमाण की कषमता हो सकती है।

प्रकार:

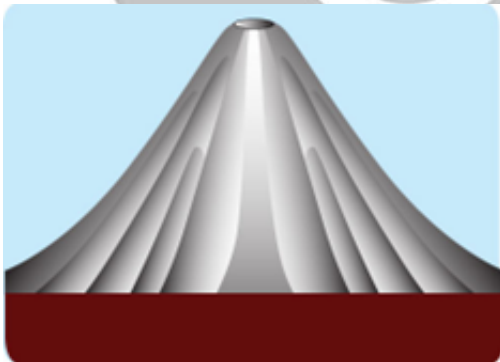
■ शीलड ज्वालामुखी:

- यह ज्वालामुखी कम श्यानता, बहता हुआ लावा पैदा करता है जो स्रोत से बहुत दूर फैलता है और हलका ढलान वाले ज्वालामुखी का नरिमाण करतता है।
- अधकिंश शीलड ज्वालामुखी तरल पदार्थ, बेसाल्टक लावा प्रवाह से बनते हैं।
 - **मौना केआ और मौना लोआ शीलड ज्वालामुखी हैं।** वे हवाई द्वीप के आसपास दुनिया के सबसे बड़े सक्रयि ज्वालामुखी हैं।



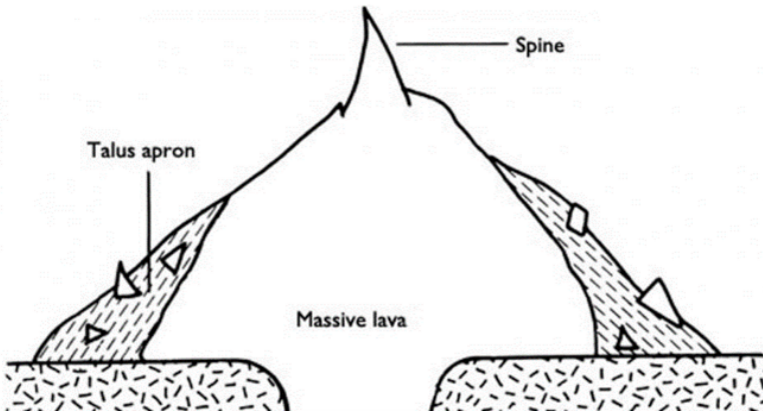
■ स्ट्रैटो ज्वालामुखी:

- स्ट्रैटो ज्वालामुखी में अपेक्षाकृत **खड़ी ढलान होती हैं और शीलड ज्वालामुखियों की तुलना में अधिक शंकु के आकार की होती है।**
- वे श्यान, चपिचपि लावा से बनते हैं जो आसानी से नहीं बहते हैं।



■ लावा गुंबद:

- कैरबियाई द्वीप मॉन्टसेराट पर स्थति सौफरएरि पहाड़ी ज्वालामुखी, ज्वालामुखी के शखिर पर अपने लावा गुंबद परसिर के लयि जाना जाता है, जो वकिस और पतन के चरणों से गुजरा है। चूँकि चपिचपि लावा बहुत तरल नहीं होता है, इसलयि जब यह बाहर नषिकासति होता है तो आसानी से नकिस छदिर से ज्यादा दूर नहीं जा सकता। इसके बजाय यह नकिस के शीर्ष पर ढेर के रूप में जमा हो जाता है जो गुंबद के आकार की संरचना बनाता है।



■ काल्डेरा:

- मैग्मा ज्वालामुखी के नीचे मैग्मा कक्ष में जमा होता है। जब ज्वालामुखी वसिफोट होता है तो मैग्मा कक्ष से बाहर नषिकासति होता है, जिससे मैग्मा कक्ष की छत सतह पर खड़ी दीवारों के साथ अवसाद या कटोरा की भांति संरचना बनाता है।
- ये काल्डेरा हैं और दसियों मील की दूरी पर हो सकते हैं।



भारत में ज्वालामुखी:

- बैरन द्वीप, अंडमान द्वीप समूह (भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी)
- नार्कोडम, अंडमान द्वीप समूह
- बारातांग, अंडमान द्वीप समूह
- डेककन ट्रैपस, महाराष्ट्र
- दनिधर पहाड़ी, गुजरात
- दोसी पहाड़ी, हरियाणा

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. बैरन द्वीप ज्वालामुखी भारतीय क्षेत्र में स्थति एक सक्रयि ज्वालामुखी है।
2. बैरन द्वीप ग्रेट नकिोबार से लगभग 140 कर्मी पूरव में स्थति है।
3. पछिली बार वर्ष 1991 में बैरेन द्वीप ज्वालामुखी में वसिफोट हुआ था और तब से यह नषिक्रयि है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

- बैरन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह अंडमान सागर में अंडमान द्वीप के दक्षिणी भाग पोर्ट ब्लेयर से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बैरन द्वीप से ग्रेट निकोबार के बीच की दूरी दी गई दूरी से अधिक है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- ज्वालामुखी का पहला रिकॉर्डेड वसिफोट वर्ष 1787 में हुआ था। पछिले 100 वर्षों में इसमें कम-से-कम पाँच बार वसिफोट हो चुका है। फरि अगले 100 वर्षों तक यह शांत रहा। वर्ष 1991 में बड़े पैमाने पर फरि से इसमें वसिफोट हुआ तथा तब से हर दो-तीन वर्षों में इसमें वसिफोट दर्ज किया गया है, इस शृंखला में नवीनतम वसिफोट फरवरी 2016 में हुआ था। **अतः कथन 3 सही है।**

प्रश्न. वर्ष 2021 में घटित ज्वालामुखी वसिफोटों की वैश्विक घटनाओं का उल्लेख करते हुए क्षेत्रीय पर्यावरण पर उनके द्वारा पड़े प्रभाव को बताइये। (2021)

स्रोत : द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/sakurajima-volcano-japan>

